भा.कृ.अनु.प.–भा.कृ.सां.अ.सं.

समाचार

खण्ड 23 संख्या 02 जुलाई–सितम्बर, 2018

- अनुसंधानिक उपलब्धियाँ
- मानव संसाधन विकास
- पुरस्कार एवं सम्मान
- गतिविधियों के परिदृश्य
- प्रकाशन
- प्रस्तुत व्याख्यान
- [redacted]
- [redacted]
- [redacted]

निदेशक की ओर से..............

इस समाचार पत्र में प्रतिवेदित अवधि के दौरान संस्थान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

पोजिषन–वाइज एलाइंड सीक्वेंस डेटासेट (स्थिति–वार संरेखित अनुक्रम डाटासेट) में विभिन्न स्थितियों के बीच सम्बद्धता को खोजने के लिए R–पैकेज "corrDN।" (https://cran.r-project.org/web/packages/corrDNA/index.html) विकसित किया गया है। विभिन्न पोजिषन (स्थितियों) के बीच सम्बद्धता को जानने के लिए अपनाया गया दृष्टिकोण लेटेंट मल्टीवेरिएट नार्मल डिस्ट्रिब्यूषन (अव्यक्त बहुचरीय सामान्य वितरण) पर आधारित है।

एफएओ की वित्त–पोषित परियोजना के अंतर्गत, बागवानी फसलों (फल और सब्जियों) के लिए अलग से मात्रात्मक हार्वेस्ट (फसल) और कटाई उपरांत होने वाले नुकसान के आकलन के लिए सैंपलिंग प्रक्रियाविधि विकसित की गई है। इस अध्ययन के तहत, फलों और सब्जियों की मात्रात्मक उपज और फसलोपरांत उपज की हानि के आकलन के लिए अलग–अलग उपयुक्त सैंपलिंग प्रक्रियाओं को विकसित किया गया है, जो कृषि जलवायु क्षेत्र स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर फसल के विभिन्न चरणों/आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न चैनलों अर्थात उत्पादन से उपभोग के बीच होने वाले नुकसान का विष्वसनीय अनुमान प्रदान करेंगी। फसल कटाई और सस्योपरांत फसल के नुकसान के आकलन पर आंकड़ों के संग्रह हेतु उत्तरदाताओं का चयन करने के लिए एक उपयुक्त नमूना डिजाइन प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित नमूना डिजाइन के अनुसार विभिन्न चैनलों/प्रक्रियाओं के लिए आकलन प्रक्रिया विकसित की गई है। नुकसान के आकलन के लिए अलग सैंपलिंग डिजाइन, प्रतिदर्ष के आकार और आकलन प्रक्रिया "खेतों पर" और "खेतों से दूर" प्रस्तावित किया गया है। विकसित कार्यप्रणाली द्वारा कृषि–जलवायु क्षेत्र स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर आकलनों की प्रतिशत मानक त्रुटि सहित होने वाली प्रतिशत हानि का अनुमान मिल सकेगा। यह विकसित प्रक्रियाविधि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 12.3 को प्राप्त करने में एफएओ के लिए सहायक होगी जिसका ध्येय खुदरा और उपभोक्ता स्तर पर खाद्य पदार्थों की बरबादी को आधा करना और फसलोपरांत होने वाले नुकसान को कम करना है क्योंकि इस बारे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रकार की सहमत पद्धति अभी विकसित नहीं की गई है और आंकड़े काफी हद तक अनुपलब्ध हैं।

फसल के मात्रात्मक और फसलोपरांत होने वाले नुकसान के आकलन हेतु उपयुक्त सैंपलिंग प्रक्रियाविधि विकसित की गई है। इस तिमाही में संस्थान में तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प.–भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार
खण्ड 23 संख्या 02 जुलाई–सितम्बर, 2018

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, संस्थान ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम–सीबीपी वोर्टल के तहत लघु क्षेत्र के आकलन और प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रबंधन हेतु वोर्टल के लिए सॉफ्टवेयर पर दो कॉपीराइट प्राप्त किए। एफएओ द्वारा वित्त–पोषित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण देने के लिए दो वैज्ञानिकों ने जाम्बिया का दौरा किया ।

इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों ने परामर्श/सलाहकार सेवाएं प्रदान की और अनेक सम्मेलनों/संगोश्ठियों/कार्यशालाओं में विभिन्न क्षमताओं में भाग लिया तथा आमंत्रित व्याख्यान भी दिए। आशा है कि इस समाचार पत्र में प्रस्तुत सामग्री ज्ञानवर्धक और उपयोगी होगी। समाचार पत्र की विशय–वस्तु में सुधार के लिए सुझावों का स्वागत है।

(लाल मोहन भर)

भा.कृ.अनु.प.–भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार
खण्ड 23 संख्या 02 जुलाई–सितम्बर, 2018

मान्यताएं

1. हुकुम चंद्र ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के कोर ग्रुप, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के विशेषज्ञ सदस्य 2018 के तौर पर कार्य किया।
2. हुकुम चंद्र ने आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली की 2011–16 की अवधि के लिए पंचवर्शीय समीक्षा दल (क्यूआरटी) के सदस्य–सचिव का दायित्व निभाया।
3. रामासुब्रमण्यिन वी. ने आईसीएआर–एनसीआईपीएम, नई दिल्ली में 10 अगस्त, 2018 को ''किसानों को समय पूर्व चेतावनी देने हेतु सेटेलाइट आधारित मूल्य सवंर्द्धित मेट '' नामक परियोजना में एक एसआरएफ की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य (बाहरी विशेषज्ञ) के रूप में कार्य किया।
4. अनिल राय ने आईसीएआर–भारतीय कृशि जैवप्रौद्योगिकी संस्थान, रांची की संस्थान प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
5. के. के. चतुर्वेदी ने एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में 31 अगस्त 2018 को ''विष्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकियां एवं इश्टतमीकरण (आईसीआरआईटीओ, 2018) पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''डेटा वेयरहाउसिंग, डेटा माइनिंग और एनालिटिक्स'' सत्र की अध्यक्षता की।
6. के. के. चतुर्वेदी ने 29–31 अगस्त, 2018 के दौरान ''विष्वसनीयता, इन्फोकॉम प्रौद्योगिकियां एवं इश्टतमीकरण (आईसीआरआईटीओ, 2017) पर आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''ट्रैंड एवं भावी निदेष), तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
7. अलका अरोड़ा ने कृषि कल्याण अभियान गतिविधियों की रियल–टाइम प्रगति की निगरानी हेतु केवीके पोर्टल में डैशबोर्ड विकसित करने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव (नीति) से प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।
8. हुकुम चंद्रा ने एमएएएस इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज तथा अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई में एक्सपर्ट सदस्य के रूप में कार्य किया।
9. हुकुम चंद्रा को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में आमंत्रित व्याख्याता के तौर पर बुलाया गया। उन्होंने 26 सितंबर, 2018 को ''स्थानिक गैर–स्थिर सामान्यीकृत रैखिक मिश्रित मॉडल फॉर काउंट्स'' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
10. हुकुम चंद्रा को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के डीएलएचएस–4 और एएचएस, से आंकड़ों की पूलिंग द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय फैक्टशीट पर विचार विमर्श हेतु विशेषज्ञ–समूह के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गयझं
11. हुकुम चंद्रा ने 24 सितंबर, 2018 को आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली में ''कृषि एवं सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षणों के लिए सुदृढ़ और कुषल लघु क्षेत्र आकलन विधियां और गंगा–सिंधु के मैदानी भागों में उनका अनुप्रयोग'' नामक राष्ट्रीय फेलो परियोजना में अनुसंधान एसोसिएट के एक पद के साक्षात्कार हेतु चयन समिति के अध्यक्ष के तौर पर कार्य किया।

विदेश दौरा

- तौकीर अहमद और अनिल राय ने एफएओ द्वारा वित्त पोशित परियोजना ''बागवानी फसलों, पशुधन उत्पादों और मत्स्य व मत्स्य उत्पाद के फसलोपरांत नुकसान के आकलन पर बनाए गए दिषानिर्देषों के फील्ड परीक्षण पर अध्ययन'' और पशुधन उत्पादों (मांस और दूध) की प्रकियाविधि के फील्ड परीक्षण हेतु 23–29 सितंबर, 2018 के दौरान जाम्बिया का दौरा किया और प्रशिक्षण प्रदान किया।

- तौकीर अहमद ने एफएओ द्वारा वित्त पोशित परियोजना ''बागवानी फसलों, पशुधन उत्पादों और मत्स्य व मत्स्य उत्पाद के फसलोपरांत नुकसान के आकलन हेतु बनाए गए दिषानिर्देषों के फील्ड परीक्षण पर अध्ययन'' और बागवानी फसलों (फल एवं सब्जियां) की प्रक्रियाविधि के फील्ड परीक्षण के लिए मैक्सिको का दौरा किया और प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रारंभ / पूर्ण / नई परियोजनाएं / योजनाएं / कार्यक्रम / जनगणना / प्रतिदर्ष सर्वेक्षण / मूल्यांकन अध्ययन

- सुश्री अनुजा ए. आर. ने 18 अगस्त, 2018 को "फसल विविधीकरण: पैटर्न, निर्धारक और पोषण सुरक्षा पर इसका प्रभाव" नामक एक नई परियोजना प्रस्ताव को पीआई के तौर पर एक ओपन सेमिनार में प्रस्तुत किया जिसमें श्री राजेश टी, हरीश कुमार एच. वी. और मृणमय रॉय को सह–पीआई के तौर पर रखा गया है।
- सुश्री अनुजा ए. आर. ने 14 अगस्त, 2018 को "फसल विविधीकरण: पैटर्न, निर्धारक और पोषण सुरक्षा पर इसका प्रभाव" नामक अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव–1 को प्रस्तुत किया ।
- श्री हरीष कुमार एच. वी. ने संस्थान स्तर पर ''भारतीय कृशि में नॉन–पर्फामिंग असेट्स (एनपीए) की मॉडलिंग'' पर 8 अगस्त, 2018 को एक नए परियोजना प्रस्ताव को प्रस्तुत किया।

मानव संसाधन विकास

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशाला का आयोजन

क्रम संख्या	शीर्षक	स्थल	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	**जीनोमिक डेटा विश्लेषण के लिए बायोइन्फॉर्मेटिक्स उपकरण एवं तकनीक** *को–ऑर्डिनेटर* यू. बी. अंगादी	**आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली**	11.09. 2018 से 15.09. 2018 तक	–
2.	**काल श्रृंखला विष्लेशण, पूर्वानुमान तकनीक एवं R सॉफ्टवेयर** *समन्वयक* अचल लामा *सह–समन्वयक* मृणमय रे, हरीश कुमार एच. वी.	**आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली**	10.09. 2018 से 29.09. 2018 तक	–

3.	डेटा एनालिटिक्स और ज्ञान प्रबंधन में हाल के रुझानों पर सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम *समन्वयक* अंशु भारद्वाज, सौमेन पाल	आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली	06.09. 2018 से 26.09. 2018	–

सम्मेलन/कार्यशालाएं/सेमिनार/संगोश्ठी/बैठकों का आयोजन

1. पादप आण्विक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईजीकेवी, रायपुर में 07–09 अगस्त 2018 के दौरान "नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंस (एनजीएस) डाटा एनालिसिस ऐंड एप्लीकेशन – ए प्रैक्टिकल पर्सपेक्टिव" पर आईजीकेवी, रायपुर के सहयोग से संयुक्त रूप से तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (संजीव कुमार, डी सी मिश्रा और नीरज बुधलाकोटी)
2. आईसीएआर–आईएएसआरआई में 17 जुलाई, 2018 को एन. एस. राठौड़, डीडीजी (कृषि षिक्षा) की अध्यक्षता में 2011–12 से 2015–16 की अवधि के लिए क्विंक्वेनियल रिव्यू टीम (क्यूआरटी) की प्रारंभिक योजना बैठक आयोजित की गई (हुकुम चंद्रा सदस्य सचिव के रूप में)।
3. आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली में 20–21 अगस्त, 2018 को वर्श 2011–12 से 2015–16 की अवधि के लिए संस्थान की पंचवर्शीय समीक्षा दल (क्यूआरटी) की बैठक का आयोजन किया गया। (हुकुम चंद्रा, सदस्य–सचिव के रूप में)
4. आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली द्वारा आईसीएआर–एनएएआरएम, हैदराबाद एवं आईसीएआर–आईआईडब्ल्यूएम, भुवनेष्वर के साथ संयुक्त रूप से "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रिकल्चर : स्टेटस ऐंड प्रॉस्पेक्ट्स" (30–31 जुलाई, 2018) पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।
5. 17–18 जुलाई, 2018 के दौरान आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली में जी. सी. मन्ना, पूर्व–डीजी, सीएसओ, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में 2011–12 से 2015–16 की अवधि के लिए पंचवर्शीय समीक्षा दल (क्यूआरटी) की बैठक आयोजित की। (हुकुम चंद्रा, सदस्य–सचिव के रूप में)
6. संस्थान में ''कृशि में संगणक का अनुप्रयोग'' विशय पर 25 जुलाई, 2018 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। (पाल सिंह और सुदीप मारवाह)

प्रकाशन

शोध पत्र

1. चंद्रा, एच, आदित्य, के. एवं कुमार, एस (2018). एक लॉग ट्रांसफॉर्म्ड एरिया लेवल मॉडल के तहत लघु क्षेत्र का आकलन, *जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल थ्योरी ऐंड प्रेक्टिस* 12(3): 497505.

2- सिंह, डी, सिंह, सी के, कुमारी, एस, तोमर, आर एस, सिंह, के एस, सिंह, आर, सिंह, आर, सिंह, सरकार एस के, पाल, एम (2018). क्षारीयता दबाव के तहत उगाई जाने वाली लेंस प्रजातियों और

जंगली जीनोटाइपों का मूल्यांकन एवं माइक्रोसेटेलाइट मार्करों के उपयोग द्वारा उनके आणविक कोलोकेषन, PLoS ONE 13(8):e0199933.https://doi.org/10.1371/ journal. pone. 0199933

3. कुमारी, आर, सिंह, के, झा, एस के, सिंह, आर सरकार, एस के एवं भाटिया, एन (2018). बाजरा (*पेनिसेटम ग्लूकम*) की कुछ चयनित किस्मों की पोषण संरचना और पॉपिंग विशेषताएं, *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रि साइंस* 88 (8): 1222–6
4. कुमार, एस, संगीता, वी, सिंह, पी, बर्मन, आर आर और भौमिक, ए (2018). चावल ज्ञान प्रबंधन एवं इसके प्रसार में कृषि वैज्ञानिकों एवं विस्तार कर्मियों द्वारा अनुभव की गई बाधाएं। *जर्नल ऑफ कृशि विज्ञान* 6 (2), 22–26 ।
5. शर्मा, डी, तिवारी, ए, सूद, एस, जामरा, जी, सिंह, एन के, मेहर, पी के और कुमार, ए (2018). एसएनपी मार्कर का उपयोग करके रागी (*एल्यूसिन कोराकाना* एल.) जीनोटाइप के विविध संग्रहों के बीच कृषि–रूपात्मक लक्षणों का जीनोम–वार एसोसिएशन मैपिंग। PLoS ONE] 13 (8): bZ 0199444.
6. कुमार, डी के, रामासुब्रमण्यिन, वी, निसार, यू, कुमार, आर एस और विनय, ए (2018). मछुआरों एवं तटीय भारत के प्राथमिक उत्पादकों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में समानता, *इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स ऐंड डेवलपमेंट,* 6 (8), अगस्त, आईएसएसएन (ऑनलाइन): 2320–9836
7. मुखर्जी, ए, सिंह, पी, रे, एम, सत्यप्रिया और बर्मन, आर बी (2018). भारत में किसान उत्पादक कंपनियों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ानाः वर्तमान स्टेटस और रोडमैप, *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल साइंसेज,* 88 (8): 1151–61.
8. आलम, डब्ल्यू, सिन्हा, के, कुमार, आर आर, रे, एम, राठौड़, एस, सिंह, के एन और आर्य, पी (2018). फसल–उपज के दीर्घकालिक पूर्वानुमान के लिए हाइब्रिड रैखिक काल श्रृंखला दृष्टिकोण, *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल साइंसेज,* 88 (8), 1275–79
9. ठाकरे, एम, वर्मा, एम के, सिंह, के, अवस्थी, ओ पी, शर्मा, आर आर एवं रे, एम (2018). किन्नो मंदारिन (*सिट्रस नोबिलिस × सिट्रस डेलीसिओसा*) के कलर इंडेक्स (रंग सूचकांक) का प्रस्ताव और पुश्टिकरण, *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल साइंसेज,* 88 (8): 1179–83।
10. वार्ष्णेय, आर, बुधलाकोटी, एन एवं बलाल, सी आर (2018). *हेलिकोवर्पा आर्मिजेरा* (हुबनर) (*लेपिडोप्टेराः नोक्टुइडे*) के विभिन्न डिंब घनत्व के लिए जियोकोरिस ऑर्कोप्टेरस फेबर (*हेमिप्टेराः जियोकोरिडी*) की संकार्यात्मक प्रतिक्रिया, *फाइटोपेरासिटिका,* डीओआईः https://doi.org/10.1007/s12600-018-0687-1
11. वेनिला, एस, पॉल, आर के, भट, एम एन, यादव, एस के, वेमाना, के, चंद्रायुडू, ई, निसार, एस, कुमार, एम, तोमर, ए, राव, एम एस एवं प्रभाकर, एम (2018 बी). आंध्र प्रदेश के कादिरी में जलवायु परिवर्तनशीलता से प्रभावित मूंगफली पर थ्रिप्स की बहुलता, संक्रमण और रोग संचरण. *जर्नल ऑफ एग्रोमेटीरियोलॉजी,* 20 (3): 227–233
12. घोष, एच एवं प्रज्ञेश (2018). गोम्पट्र्ज स्टॉकेस्टिक डिफरेंशियल समीकरण ग्रोथ मॉडल विद एक्सोजीनस वेरिएषन ऐंड टाइम–डिपेंडेंट डिफ्यूजन, *जर्नल ऑफ दि इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल स्टैटिस्टिक्स,* 72 (2): 97–104
13. यशवंत, बी एस, सिंह, के एन, पॉल, ए के एवं कुमार, ए (2018). वेक्टर ऑटोरिग्रेसिव मॉडल के लिए पैरामीटर श्रिंकेज तकनीकों का एक अनुभवजन्य मूल्यांकन, *जर्नल ऑफ दि इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल स्टैटिस्टिक्स,* 72 (2),:113–120

14. कुमार, पी, भर, एल एम, पॉल, ए के, दास, एस. एवं रॉय, एच एस (2018). मल्टी क्राइटेरिया डिसीजन मेकिंग (एमसीडीएम) तकनीकों का उपयोग कर संयुक्त स्थिरता उपाय का विकास, *जर्नल ऑफ दि इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल स्टैटिस्टिक्स* 72 (2), 121–128

15. मिश्रा डी सी, कुमार, एस, लाल, एस बी, साहा, ए, चतुर्वेदी, के के, बुधलाकोटी, एन और राय, ए (2018). टीएजीपीटी : जीन अभिव्यक्ति डेटा का उपयोग कर लक्षण सम्बद्ध जीन के पूर्वानुमान हेतु एक वेब सर्वर, *एनल्स ऑफ जेनेटिक्स ऐंड जेनेटिक डिस्ऑर्डर्स,* 1(1) : 1003.

16. असवाल, के, जग्गी, एस, वर्गीज, ई एवं वर्गीज, सी (2018). डॉयालेल क्रॉस परीक्षणों के लिए नेबर बैलेंस्ड डिजाइन, *जर्नल ऑफ दि इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल स्टैटिस्टिक्स* 72 (2), 89–96

17. पंडिरवार, ए पी, कुमार, ए, मनी, आई, गायकवाड़, बी बी, सावंत, सी पी और भौमिक, ए (2018). प्लग और उंगली के आकार के प्याज के सीडलिंग (पौध) प्रत्यारोपण मैकेनिज्म पर मृदा बिन अध्ययन, *जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल इंजीनियरिंग,* 55 (1): 1–14.

18. राजैयाह, पी, मनि, आई, कुमार, ए, लांडे, एस डी, पर्रे, आर ए, सिंह, ए के और वर्गीज, सी (2018). सीधे पौध लगाने के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक धान बोने वाले यंत्र (पेडी प्लांटर) का तुलनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी ऐंड एप्लाइड साइंसेज,* 7 (9): 1284–1294

19. कुमार, पी, कुमार, ए, पंवार, एस, दास, एस, सिन्हा, के एवं रे, एम (2018). कृषि में व्यापक आंकड़ों की भूमिका–एक सांख्यिकीय परिदृष्य, एनल्स ऑफ एग्रिकल्चरल रिसर्च, 39(2) : 210–215

20. कुमार, ए, सिंह, एमपी, दास, एस, दास, साचिकांत एवं पंवार, एस (2018). विष्वसनीयता सिद्धांत में वेइबुल प्रक्रिया का अनुप्रयोग, *जर्नल ऑफ द इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल स्टैटिस्टिक्स,* 72 (2): 157–163

21. उपाध्याय, एल, बर्मन, आर आर, संगीता, वी, लेनिन, वी, शर्मा, जेपी एवं दास, एस (2018). आईसीटी–युक्त कृषि सूचना प्रसार में डिजिटल डिवाइड को प्रभावित करने वाले घटक : एक तुलनात्मक विश्लेषण, *जर्नल ऑफ कम्युनिटी मोबिलाइजेषन ऐंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट,* 13 (2): 296–300

22-चक्रवर्ती, डी, सहगल, वी के, धाकड़, आर, वर्गीज, ई, दाष, डी के और रे, एम (2018). 1951–2014 के दौरान संपूर्ण भारत में दैनिक अधिकतम तापमान चरमता (एक्सट्रीम) में परिवर्तन और खाद्यान्न उत्पादकता के साथ उसका संबंध। *स्टॉकेस्टिक एन्वायरनमेंटल रिसर्च ऐंड रिस्क एसेसमेंट,* (ऑनलाइन प्रकाशित½ https://link.springer.com/article/10.1007/s00477-0181604-3

23. दाष, बी, साहू, आर एन, बिस्वास, ए, परगल, एस, कृष्णा, जी, वर्मा, आर, चिन्नासामी, वी, सहगल, वी के एवं गुप्ता, वी के (2018). फील्ड स्पेक्ट्रो–रेडियोमेट्री का उपयोग करके चावल जीनोटाइप में अंतर, *जियोकार्तो इंटरनेशनल,* डीओआईः 10.1080/10106049.2018.1506507

24. कुरैशी, एन डब्ल्यू, कृष्णन, एम, वानी, एस ए, रामासुब्रमण्यिन, वी, शिवरमाने, एन एवं सुंदरमूर्ति, एन (2018). क्या जानकारी से दृष्टिकोण में बदलाव आता है ? डल झील, कश्मीर, भारत में देषी मत्स्य पालन को पुनर्स्थापित करना, *इंडियन जर्नल ऑफ फिशरीज* 65 (2): 113118 डीओआई : 10. 21077/आईआईएफ. 2018.65.2.70964–14

25. मित्रा, डी, पॉल, आर के, पॉल, ए के एवं भर, एल एम (2018). दीर्घकालीन स्मृति और संरचनात्मक ब्रेक हेतु अनुमन्य समय–श्रृंखला का पूर्वानुमान, *जर्नल ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रिकल्चरल स्टैटिस्टिक्स,* 72 (1), 49–60

26. दास, के, पूनिया, वी, चौधरी, ए के, स्वर्णलक्ष्मी, के, बाना, आर एस, परिहार, सी एम, एवं सरकार, एस के (2018). सीधे बोए गए बासमती चावल (*ओराइजा सेटाइवा*) के तहत फसल उत्पादकता और मृदा के भौतिक–रासायनिक एवं जैविक गुणों पर एकीकृत फसल प्रबंधन मॉड्यूल का प्रभाव, *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रिकल्चरल साइंस,* 88 (7)ः 1142–6

27. दलाल, एम, साहू, एस, तिवारी, एस, राव, ए आर एवं गायकवाड़, के (2018). ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण से गेहूं में आवश्यक जड़ वृद्धि के लिए हार्मोन, आरओएस चयापचय और कोषिका भित्ति जैवसंश्लेशण (सेल–वॉल बायोसिंथेसिस) के बीच परस्पर क्रिया का पता चलता है, *प्लांट फिजियोलॉजी ऐंड बायोकेमिस्ट्री,* 130१३०, 482–492, डीओआईः 10.1016 / जे. प्लाफि.2018.07.035

28. प्रजापति, आर के, सिंह, पी, तिवारी, पी, मेनकर, पी, साहू, एस, राव, ए आर एवं कंसल, आर (2018). *एसिर्थोसिफॉन पाइसम* से एमीनोपेप्टिडेज–एन रिसेप्टर के विरुद्ध *कैजानस कैजन* लेक्टिन के इन सिलिको विश्लेषण और आणविक डॉकिंग का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी ऐंड एप्लाइड साइंसेज,* 7 (06), 959–967. डीओआई : 10.20546@/ijcmas.2018.706.114

29. पुर्रू, एस, साहू, एस, राय, राव, ए आर एवं भट, के वी (2018). GinMicrosatDbः तिल (*सीसेमम इंडिकम* एल.) के लिए जीनोम–वार माइक्रोसैटेलाइट मार्कर डाटाबेस, *फिजियोलॉजी एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स,* डीओआई : 10.1007 / एस.12298–018–0558–8

30. चंद्रा, एच (2018). सर्वेक्षण और जनगणना के आंकड़ों के संयोजन द्वारा ग्रामीण परिवारों में ऋणग्रस्तता की घटनाओं का स्थानीय आकलन, लघु क्षेत्र आकलन तकनीक का एक अनुप्रयोग, *एग्रिकल्चरल इकोनॉमिक्स रिसर्च रिव्यू,* 31(1) : 29–44

31. दाष, एस, चंद्रा, एच एवं चैम्बर्स, आर (2018). हिट्रोसिडास्टिसिटि के तहत ईएलएल आधारित गरीबी के आकलन हेतु एक सुदृढ़ मीन स्क्वेयर एरर आकलन –बांग्लादेश में गरीबी के आकलन हेतु एक प्रयोग. *स्टैटिस्टिक्स ऐंड एप्लिकेषन,* 16 (1)ः 375–397

लोकप्रिय लेख

1. अचल लामा, के. एन. सिहं, विषाल गुरुंग, रविन्द्र सिंह शेखावत और एच. एस. राय (2018) “काल श्रृंखला के मॉडल का अवलोकन” *भारतीय कृशि अनुसंधान पत्रिका,* खंड 33, 58, 61
2. अखिलेष झा, सिनी वर्गीस, सीमा जग्गी, माहेम्मद हारुन एव देवेन्द्र कुमार (2018). आदेषात्मक सहवासी प्रभावों हेतु समाधेय खण्ड अभिकल्पनाएं, *भारतीय कृषि अनुसंधान पत्रिका,* 33(2), 113–115
3. सुमित सौरव सिनी वर्गीस, एल्दो वर्गीस, सीमा जग्गी एवं देवेन्द्र कुमार (2017). परस्पर आयतीय लैटिन वर्ग के उपयोग से समाधेय बहु सत्रीय–अभिकल्पनाए संवेदी, *भारतीय कृषि अनुसंधान पत्रिका,* 32(4), 313–316
4. अनु शर्मा, ज्योतिका भाटी, शषि भूषण लाल, कृष्ण कुमार चतुर्वेदी, मोहम्मद समीर फारूकी एवं अनिल राय (2018), सगंणनात्मक विधियों के द्वारा अरहर से माइक्रो–आर.एन.ए. की पहचान एवं उसका विवरण, *भारतीय कृषि अनुसंधान पत्रिका,* 33(1), 51–57
5. मुकेष कुमार, सुदीप मारवाहा, अलका अरोड़ा, अंशु भारद्वाज, ए. के. चौबे एवं शषि दहिया, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) मे एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम आईसीएआर–ईआरपी) का कार्यान्वयन, *सांख्यिकी–विमर्ष* 2017–18 अंक–13 पृष्ठ सख्या 116–123

6. एस. बी. लाल, अनु शर्मा, के. के. चतुर्वेदी, एम. एस. फारूकी, द्विजेश चन्द्र मिश्र, संजीव कुमार एवं अनिल राय, इटंरनेंट ऑफ थिंग्स (आई. ओ. टी.) और कृषि एव अवलोकन, *सांख्यिकी विमर्ष*, भा. कृ. अनु. प.–भारतीय सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
7. एस. बी. लाल, अनु शर्मा, के. के. चतुर्वेदी, एम. एस. फारूकी, द्विजेश चन्द्र मिश्र, संजीव कुमार एवं अनिल राय, इटंरनेंट ऑफ थिंग्स (आई. ओ. टी.) और कृषि एवं अवलोकन, *सांख्यिकी विमर्ष*, भा. कृ. अनु. प.–भारतीय सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
8. रे, एम, तोमर, आर एस, रामासुब्रमण्यिन, वी, सिंह, के एन (2018). एरिमा–एएनएन हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके भारत की गन्ना उपज का पूर्वानुमान, *भारतीय कृषि अनसंधान पत्रिका,* 33 (2): 120–127।

संदर्भ मैनुअल / मैनुअल / ई–मैनुअल / पर्चे

- आईजीकेवी, रायपुर में 7–9, अगस्त, 2018 के दौरान "अगली पीढ़ी अनुक्रमण (एनजीएस) डेटा विश्लेषण : एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य'' विशयक प्रषिक्षण कार्यक्रम हेतु एक संदर्भ मैनुअल का प्रकाषन किया गया।

परियोजना रिपोर्ट

- अर्पण भौमिक, सीमा जग्गी, एल्दो वर्गीज एवं सुनील कुमार यादव (2018). ट्रेंड प्रतिरोधी पंक्ति–कॉलम डिजाइन पर कुछ जांच। आईएआरआई परियोजना रिपोर्ट, आईएआरआई / पीआर04 / 2018।

पुस्तक अध्याय

- अनु शर्मा, एस. बी. लाल, मोहम्मद समीर फारूकी और के. के. चतुर्वेदी. वानिकी और पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकीय विधियों एवं अनुप्रयोगों में प्रगति नामक पुस्तक में वन मृदा माइक्रोबियल विविधता के विश्लेषण के लिए मेटाजीनोमिक्स टूल्स की खोज और इसके एनोटेषन को संभावित प्रकाषन हेतु प्रस्तुत किया।
- एस. बी. लाल, अनु शर्मा, के.के. चतुर्वेदी, एम. एस. फारूकी और अनिल राय। वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान में सांख्यिकीय विधियों व अनुप्रयोगों में प्रगति नामक पुस्तक में वानिकी एवं पर्यावरणीय विज्ञान में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) को संभावित प्रकाषन हेतु प्रस्तुत किया।

कृषि अनुसंधान डाटा पुस्तिका

- अहमद, टी, साहू, पी. एम., बिस्वास, ए. सिंह, डी, और बसाक, पी. (2018). कृषि अनुसंधान डाटा पुस्तिका 2018। आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली प्रकाशन

दिए गए व्याख्यान

1. सिनी वर्गीज ने पषु आनुवांषिकी एवं प्रजनन, पषुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विष्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा आईसीएआर द्वारा वित्त पोशित ग्रीश्मकालीन स्कूल में 21 अगस्त–10 सितंबर के दौरान (1) पषु विज्ञान में कॉस ओवर डिजाइन एवं (2) पषुचिकित्सा और पषु विज्ञान में सांख्यिकीय मॉडलिंग और इंफरेंस के अनुप्रयुक्त पहलुओं'' पुनरावृत्ति उपाय आंकड़ों (रिपीटेड मेजर डाटा) के विष्लेशण पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

2. के. के. चतुर्वेदी ने 01–21 अगस्त, 2018 के दौरान आईसीएआर–सीआईएई, भोपाल में सीएएफटी कार्यक्रम ''खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण में अनुप्रयोग हेतु सॉफ्ट कम्प्यूटिंग टूल्स'' में 13 अगस्त 2018 को "कृषि खाद्य प्रसंस्करण में जैवसूचना का अनुप्रयोग'' विशय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. के. के. चतुर्वेदी ने 01 अगस्त 2018 को ली मेरिडियन दिल्ली में ''डेमोक्रेटाइजिंग हाई पर्फामेंस कंप्यूटिंग – एटीसीएक्स 2018 पर एक व्याख्यान दिया।
4. एस. बी लाल ने 01–21 अगस्त, 2018 के दौरान आईसीएआर–सीआईएई, भोपाल में आयोजित "खाद्य और कृषि प्रसंस्करण में अनुप्रयोग हेतु सॉफ्ट कंप्यूटिंग टूल्स" पर सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम में 10 अगस्त, 2018 को "खाद्य और कृषि प्रसंस्करण में एनएन के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।
5. नीरज बुधलाकोटी (पाठ्यक्रम सह–समन्वयक के रूप में) ने जीनोम वार एसोसिएशन अध्ययन विषयों पर व्याख्यान दिया और आईजीकेवी, रायपुर में 7–9 अगस्त, 2018 के दौरान "अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (नेक्स्ट जेनेरेषन सीक्वेंसिंग, एनजीएस) डाटा एनालिसिसः एक व्यावहारिक परिदृष्य'' नामक प्रषिक्षण कार्यक्रम में बीएलएएसटी (ब्लास्ट), जीनोम असेंबली एवं एनोटेशन तथा जीडब्ल्यूएएस के प्रायोगिक सत्र का संचालन किया।
6. डी सी मिश्रा (पाठ्यक्रम सह–समन्वयक के रूप में) ने आईजीकेवी, रायपुर में 07–09 अगस्त, 2018 के दौरान "नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) डेटा एनालिसिसः एक व्यावहारिक परिदृष्य'' नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लास्ट और मल्टीपल सीक्वेंस अलाइनमेंट, एनजीएस डेटा एवं इसकी प्री–प्रोसेसिंग, जीनोम असेंबली और आरएनएसेक डेटा विश्लेषण विषयों पर प्रैक्टिकल सहित व्याख्यान दिया।
7. डी. सी. मिश्रा ने आईसीएआर–सीएसआरआई, करनाल में 27, अगस्त, 2018 को "अजैविक दबाव वाली दषाओं के विरुद्ध फसल सुधार हेतु षरीर क्रियात्मक प्रक्रियाओं में प्रगति'' नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम में "नेक्स्ट जेनरेशन अनुक्रमण आंकड़े एवं कृषि में इनके अनुप्रयोग की समीक्षा" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
8. संजीव कुमार (पाठ्यक्रम–समन्वयक के रूप में) ने आईजीकेवी, रायपुर में 07–09, अगस्त, 2018 के दौरान कार्यशाला "नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंस (एनजीएस) डेटा विश्लेषण एवं प्रयोग–एक व्यावहारिक परिदृष्य'' में 1) जैवसूचना का परिचय और कृषि में इसका अनुप्रयोग (व्याख्यान)। 2) बेसिक्स ऑफ सीक्वेंस एनालिसिस (व्याख्यान) 3) एनजीएस ट्रांसक्रिटोम असेंबली ऐंड एनालिसिस (व्याख्यान और प्रैक्टिकल)। 4) जीनोम एनोटेशन (व्याख्यान और प्रेक्टिकल) पर व्याख्यान एवं प्रायोगिक सत्रों का संचालन किया।
9. पी.के. मेहर ने आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विष्वविद्यालय, हिसार द्वारा 17–21 जुलाई, 2018 के दौरान ''जैवसूचना विज्ञान में हालिया प्रवृत्ति और फसल सुधार में इसका अनुप्रयोग'' पर आयोजित कार्यशाला एवं व्यावहाकि प्रषिक्षण में "बायोइंफॉर्मेटिक्स के लिए आर–सॉफ्टवेयर" विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान दिया।
10. रामासुब्रमण्यिन वी. ने 18 जुलाई, 2018 को कृषि अर्थशास्त्र प्रभाग, आईसीएआर–आईएआरआई, नई दिल्ली में आयोजित "सतत कृषि के लिए बाजारों, संस्थानों एवं संसाधन उपयोग योजना में उभरते मुद्दे" पर सीएएफटी प्रशिक्षण कार्यक्रम में "प्रतिगमन विश्लेषण और निदान" पर एक व्याख्यान (प्रदर्षन सहित व्यावहारिक सत्र) दिया।
11. अनिल कुमार ने 12 जुलाई–01 अगस्त, 2018 के दौरान कृषि अर्थशास्त्र विभाग, आईसीएआर–आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''टिकाऊ कृशि के लिए बाजारों, संस्थानों एवं

संसाधन उपयोग नियोजन में उभरते मुद्दों'' नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''एसपीएसएस का ओवरव्यू एवं व्यवहार '' पर 19 जुलाई, 2018 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।

12. राजेंद्र प्रसाद ने 11 सितंबर, 2018 को भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा ''सांख्यिकीय प्रक्रियाओं पर आधारित मानकों की भूमिका–गुणवत्ता के उन्नयन'' पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को प्रयोगों के डिजाइन की उपयोगिता पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

सहभागिता

सम्मेलन/कार्यशाला/सेमिनार/संगोष्ठी/प्रशिक्षण/फाउंडेशन कोर्स/वार्षिक दिवस/व्याख्यान

1. एस. बी. लाल ने नई दिल्ली के विंडसर प्लेस स्थित होटल ली मेरिडियन में 01 अगस्त, 2018 को इंडिया अल्टाएयर टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।
2. तौकीर अहमद और प्राची मिश्रा साहू ने क्रेडिट डिवीजन, डैकएफडब्ल्यू, एमओएएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा 04 सितंबर, 2018 को एनआरएल ऑडिटोरियम, आईएआरआई कैंपस, नई दिल्ली में आयोजित फसल–बीमा समीक्षा कार्यशाला में भाग लिया और फसल बीमा से संबंधित कार्य प्रस्तुत किया।
3. प्राची मिश्रा साहू ने 10–11 सितंबर, 2018 के दौरान ईएसआरआई प्रयोक्ता सम्मेलन में भाग लिया।
4. प्राची मिश्रा साहू ने सलाहकार, बागवानी के आमंत्रण पर राज्य बागवानी सांख्यिकी प्राधिकरण के नोडल अधिकारियों की प्रशिक्षण सह कार्यशाला/बैठक में भाग लिया और 25 सितंबर, 2018 को गोवा में मसालों के प्रस्ताव पर एक प्रस्तुति दी।
5. मुकेश कुमार एवं अंशु भारद्वाज ने हरियाणा के गुरुग्राम में 10–11 सितंबर, 2018 के दौरान ईएसआरआई इंडिया द्वारा आयोजित उपयोगकर्ता सम्मेलन में भाग लिया।
6. अलका अरोड़ा ने 11 सितंबर, 2018 को आयोजित इंडिया डाटा समिट में भाग लिया।
7. राजेंद्र प्रसाद ने 20 जुलाई, 2018 को आईसीएआर–एनएएआरएम, हैदराबाद में नास द्वारा आयोजित आईसीएआर संस्थानों के रैंकिंग प्रोफार्मा की फाइन ट्यूनिंग पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
8. राजेंद्र प्रसाद ने 28 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली में एनएएएस द्वारा आईसीएआर संस्थानों की रैंकिंग के लिए प्रोफार्मा के विकास पर आयोजित ''मंथन सत्र'' में भाग लिया।
9. एस. बी. लाल ने 16–20 जुलाई, 2018 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश में ''एप्लाइड डीप लर्निंग'' पर आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
10. के. के. चतुर्वेदी ने 16–20 जुलाई, 2018 के दौरान आईआईटी मंडी (एचपी) में "इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन एप्लाइड डीप लर्निंग" में भाग लिया।

पुरस्कार/सम्मान

1. अचल लामा को भारतीय कृषि अनसंधान समिति, करनाल द्वारा कृषि विज्ञान गौरव (2018) से सम्मानित किया गया।
2. सीमा जग्गी को 16 जुलाई, 2018 को एनएएससी, नई दिल्ली में सम्पन्न आईसीएआर के स्थापना दिवस के दौरान आईसीएआर का पंजाब राव देशमुख उत्कृष्ट महिला वैज्ञानिक पुरस्कार–2017 प्रदान किया गया। 3. अनिंदिता दत्ता को कृषि एवं संबद्ध विज्ञान 2017 में ''स्नातकोत्तर (पी.जी.) उत्कृष्ट डॉक्टोरल थीसिस रिसर्च'' के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार प्रदान किया गया।
3. अनिंदिता दत्ता को भारतीय कृशि अनुसंधान समिति तथा कृशि अनुसंधान संचार केंद्र (एआरसीसी), करनाल द्वारा उनके षोध पत्रों के लिए कृशि विज्ञान गौरव (मानद उपाधि) पुरस्कार प्रदान किया गया।

4. अनु षर्मा को भारतीय कृशि अनुसंधान समिति तथा कृशि अनुसंधान संचार केंद्र (एआरसीसी), करनाल द्वारा राश्ट्रभाशा की सेवा करने के लिए ''कृशि विज्ञान गौरव'' 2018 की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।
5. डी. सी. मिश्रा, नीरज बुधलाकोटी, संजीव कुमार, एस.बी. लाल एवं अनिल राय ने आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली में 11 सितंबर, 2018 को सम्पन्न षोध पत्र प्रतियोगिता में ''टीएजीपीटी : जीन एक्सप्रेषन डाटा पर आधारित लक्षणों से संबंधित जीन की पहचान के लिए वेब सर्वर'' नामक षीर्शक से एक षोध पत्र की प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
6. षशि भूशण लाल, अनु षर्मा, सारिका एवं अनिल राय (2018) ने 11 सितंबर, 2018 को आईसीएआर–आईएएसआरआई, नई दिल्ली में आयोजित डिजिटल हिंदी षोध पत्र प्रस्तुति प्रतियोगिता में जीन पूर्वानुमान, वंषावली विष्लेशण और प्राइमर डिजाइनिंग हेतु समानांतरित कार्य प्रवाह विशय पर प्रस्तुत षोध पत्र के लिए तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

परामर्षी/सलाहकार सेवाएं

1. अंतर्राष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान (आईएलआरआई) के साथ यू. बी. अंगादी की परामर्श सेवा परियोजना का कार्य प्रगति पर है जिसका कुल परामर्श शुल्क 23 कार्य दिवसों के लिए 3,96,750 रुपये है।
2. यू.बी. अंगादी द्वारा ''माली, पश्चिम अफ्रीका में फ़ीड मांग– आपूर्ति मूल्यांकन हेतु विकास डाटाबेस और विश्लेषण हेतु उपकरण" पर नया कंसल्टेंसी सेवा प्रस्ताव आईएलआरआई, दक्षिण–एषिया क्षेत्र, नई दिल्ली के साथ मिलकर तैयार करके स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया है। इस परियोजना का कुल परामर्श शुल्क 25 कार्य दिवसों के लिए 4,42,500 रुपये है।
3. अनिंदिता दत्ता ने द्वि–मार्गी एनोवा के उपयोग द्वारा एक परीक्षण में एसएएस का उपयोग करके विश्लेषण की प्रक्रिया पर कृषि अभियांत्रिकी, आईसीएआर–आईएआरआई के वैज्ञानिक श्री अरादवद प्रमोद पांडुरंग को परामर्ष दिया।
4. अर्पण भौमिक ने मक्का–गेहूं फसल प्रणाली की उत्पादकता एवं पोषक तत्वों के उपयोग दक्षता पर एकीकृत पोटाष (के) प्रबंधन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एनोवा के उपयोग पर आईसीएआर–एनडीआरआई, करनाल के वैज्ञानिक श्री संजीव कुमार को सलाहकार सेवाएं प्रदान की।
5. सुकांत दाष ने लाइन × टेस्टर विश्लेषण के संबंध में सब्जी–विज्ञान के क्षेत्र में पीएचडी के छात्र श्री सौरभ सिंह को सलाहकार सेवा प्रदान की। इस प्रयोग में 20 टेस्टर, 6 लाइनें, 3 प्रतिकृतियों सहित 4 चेक सम्मिलित किए गए। इसमें 16 उत्तरदाई चर हैं जिसके आधार पर लाइन × टेस्टर विश्लेषण और हेटेरोसिस विश्लेषण किया गया।
6. हिमाद्री शेखर रॉय ने एम. सी. गुप्ता, वरिश्ठ ब्रीडर–सरसों (आर एंड डी), राषि सीड्स (पी) लिमिटेड को एनोवा, जीसीवी, पीसीवी, हेरिटेबिलिटी, वेरिएशन और डाइवर्जेंस एनालिसिस के संयुक्त विश्लेषण की गणना करने के लिए परामर्ष सेवा प्रदान की।
7. अचल लामा ने बीसीकेवी, मोहनपुर के एमएससी छात्र संगे डोमो को एसएएस सॉफ्टवेयर द्वारा आंकड़ों के विश्लेषण हेतु फैक्टोरियल आरबीडी का उपयोग करने की सलाह दी।
8. रामासुब्रमण्यिन वी. ने 14 अगस्त, 2018 को मत्स्य पालन आंकड़ों (हर्मिट क्रेब डायोजींस एलियास) पर गुडनैस ऑफ फिट के लिए काई स्क्वायर टेस्ट द्वारा नर, मादा और ओवि–फीमेल की ग्रुपिंग के

औसतों के अंतर (डिफरेंस ऑफ मीन्स) पर आईसीएआर–सीआईएफई, मुंबई के पीएचडी छात्र श्री के. निर्मल को सलाहकार सेवा उपलब्ध कराई।

9. अनिल राय ने एफएओ, रोम द्वारा वित्त–पोषित परामर्षी परियोजना "बागवानी फसलों, पशुधन उत्पादों एवं मत्स्य व मत्स्य उत्पादों के कटाई/पकड़ उपरांत होने वाले नुकसान का आकलन करने पर विकसित दिशा–निर्देशों के फील्ड–परीक्षण पर अध्ययन" का संचालन किया।
10. एम. ए. इकबाल ने ट्रांस्क्रिप्टोम डेटा विश्लेषण से संबंधित सैंपलों के संग्रह के बारे में पीडीकेवी, अकोला के सहायक प्रोफेसर प्रवीण जाधव को सलाह दी।
11. सारिका ने मेटाजीनोम परीक्षण और आंकड़ों के विश्लेषण के संबंध में आईएआरआई, नई दिल्ली की वरिष्ठ वैज्ञानिक स्वर्णलक्ष्मी के. को सलाह दी।
12. अर्पण भौमिक ने चावल की मिट्टी में नाइट्रोजन के रूपांतरण से संबंधित आंकड़ों के विश्लेषण के बारे में पर्यावरण विज्ञान एवं जलवायु अनुकूल कृषि केंद्र, पीजी स्कूल, आईएआरआई, नई दिल्ली के पीएचडी स्कॉलर, श्री पार्थ प्रतीम मैती को सलाह दी ।

विकसित किए गए सॉफ्टवेयर

सांख्यिकीय और भौगोलिक सूचना प्रणाली/डेटा बेस/मोबाइल ऐप

- यू. बी. अंगादी, एम. ए. इकबाल, सारिका, अनिल राय और दिनेश कुमारः

–R पैकेज उइथ्मतदे को अंतिम रूप दिया और इसे सीआरएएन में अपलोड किया गया जो सीआरएएन में प्रकाषित करने की समीक्षा प्रक्रिया में है।

–विग्ना–एसएसआर डाटाबेस और वेब पोर्टल को अपडेट किया गया।

प्राप्त किए गए पेटेंट/कॉपीराइट

- लघु क्षेत्र (स्माल एरिया) के आकलन हेतु
(एसडब्ल्यू–10788/2018, 31.5.2018 को प्राप्त)
(हुकुम चंद्रा, कौस्तव आदित्य एवं एस.बी. लाल)
क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रबंधन हेतु वोर्टल– सीबीपी वोर्टल
(एसडब्ल्यू–10580/201801/05/2018)
(अलका अरोड़ा और सुदीप मारवाह)

भा.कृ.अनु.प.–भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 23 संख्या 02 जुलाई–सितम्बर, 2018

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

[illegible]

एल एम भर
अजित
रामासुब्रमण्यिन वी.
षषि दहिया
सुषील कुमार सरकार
सारिका
मृण्मय राय
अनिंदिता दत्ता
हिमाद्रि षेखर राय
सुषील कुमार
बी जे गहलौत

द्वारा प्रकाषित

निदेषक
आईसीएआर–आईएएसआरआई
लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली–110012
ईमेलः **director@iasri.res.in.director.iasri@icar.gov.in**
pme@iasri.res.in.pme.iasri@icar.gov.in

वैबसाइटः www.iasri.res.in